भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2613
उत्तर देने की तारीख 17.03.2025

प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन, 2024

2613. श्रीमती अनीता शुभदर्शिनी **:**

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन, 2024 के आलोक में बौद्ध विरासत स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में उन्नत बनाने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो इन स्थलों के नाम क्या हैं;

(ग) क्या उपरोक्त शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एशियाई देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक सहयोग को बढ़ावा देना है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार भविष्य में उत्तरवर्ती बौद्ध शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर विचार कर रही है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय, 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमों के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को बौद्ध पर्यटन के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। 'बौद्ध सर्किट' की पहचान स्वदेश दर्शन स्कीम के अंतर्गत् विकास हेतु विषयपरक सर्किटों में से एक सर्किट के रूप में की गई है। बौद्ध विषयपरक सर्किट के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुलग्नक** पर है।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) सुरक्षित स्मारकों का संरक्षण और परिरक्षण कार्य करने के साथ-साथ वार्षिक संरक्षण कार्यक्रम के तहत संरक्षित बौद्ध स्थलों सहित विभिन्न स्मारकों पर शौचालय, पेयजल, पार्किंग, पाथवे, संकेतक, बेंचें, रैंप, व्हील चेयर आदि जैसी सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य करता है।

(ग), (घ) और (ङ): जी हाँ, संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन (एबीएस) का आयोजन इस मंत्रालय के एक अनुदानग्राही निकाय अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। उक्त शिखर सम्मेलन एशियाई आध्यात्मिक परंपरा और एशियाई देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक सहयोग पर आधारित था। प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन में 26 एशियाई देशों के 130 विदेशी प्रतिनिधियों, 12 देशों के राजनयिकों और महायान तथा थेरवाद परंपराओं के 40-40 भिक्षुओं सहित 650 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन को एक-एक वर्ष के अंतराल के बाद आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

*****

अनुलग्नक

'प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन, 2024' के संबंध में दिनांक 17 मार्च, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2613 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

बौद्ध विषयपरक सर्किट के अंतर्गत संस्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा:

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	सर्किट	संस्वीकृत वर्ष	परियोजना का नाम	संस्वीकृत राशि (करोड़ रुपये में)	जारी/अधिकृत राशि (करोड़ रुपये में)*
1.	आंध्र प्रदेश	बौद्ध सर्किट	2017-18	बौद्ध सर्किट का विकास: शालिहुंडम-बाविकोंडा-बोज्जनकोंडा-अमरावती-अनूपु	35.24	30.02
2.	बिहार	बौद्ध सर्किट	2016-17	बौद्ध सर्किट का विकास-बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18	95.18
3.	गुजरात	बौद्ध सर्किट	2017-18	जूनागढ़-गिर सोमनाथ-भरूच-कच्छ-भावनगर-राजकोट-मेहसाणा का विकास	26.68	22.28
4.	मध्य प्रदेश	बौद्ध सर्किट	2016-17	साँची-सतना-रीवा-मदसौर-धार का विकास	74.02	72.75
5.	उत्तर प्रदेश	बौद्ध सर्किट	2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89	72.56

* इसमें केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम के लिए टीएसए मॉडल-I के माध्यम से सीएनए हेतु प्राधिकार की राशि सम्मिलित है।

प्रशाद स्कीम के तहत, वर्ष 2020-21 में 'सिक्किम के युकसोम में चार संरक्षक संतों पर तीर्थ सुविधा का विकास' परियोजना हेतु 33.32 करोड़ रुपये की राशि अनुमोदित की गई थी।

पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) स्कीम के अंतर्गत, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा पर्यटन मंत्रालय द्वारा वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए परिचालन संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए। इन दिशा-निर्देशों के अनुरूप, 26.11.2024 को भारत सरकार ने 80.24 करोड़ रुपये की लागत से उत्तर प्रदेश में 'श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास' परियोजना को अनुमोदित किया है।

*****